

१ पाठ्यधनमंगु, पुनपातसुन्य गौलावय, गौ क पूय, रुकाल रुवतव, ॥ गिकन व
या दथु सर्वकाल वाय ॥ हाका रे गधनासनं, जीका रे विजरुनां व ॥ हाया विंडा व
य ॥ अकालेन अमि तं विमय ॥ वाडा काया अनय ॥ ॥ काया सुनान ॥
धननो वाय, गुनन मकाल, धनद वा सविह गिगया डाका य मंग ॥ उं धी विड रु

कडू रुट्टा किती जाल संवलं खा हा ॥ काय धन का अ ख कून वाय ॥ मूल मंगु
॥ ना क पूय ॥ मंगु उं ॥ स्वपा दडा या रुकाय ॥ धनं कपाल सयिलं ॥ मंगु ॥ उं धी लय
रुं ॥ मूव मंगुन च सपाल सगय ॥ सकल्यन उं थ ॥ वाहा सिय ॥ हा न नी वाय, गुन
न मका ॥ धन न्या ॥ ना वाय ॥ च सपाल सधिय मूव मंगु ॥ वाहा तिस लय ॥ उं ग द
ना क व स धनं द किन रु रु अ कालेन सूर्य मंदलं ॥ रुडा ॥ वाम रु रु अ कालेन

चंडमंदवं॥खडा॥यविमद्विय॥उंरुनमहिस्वाहाहं॥वाख गयदूंदूरु
रुहं॥जडावास्तुग॥उंवंदांयांकींमांहीकींरुहंरुहं॥खडायावाहातम॥
हूं॥नूगव॥अ॥कथू॥उंकापव॥जडानगाव॥उंआहूं॥जवक्रावानक्रासतिय
॥उं२४आ१५ निपांगिय॥हूं१२क्यापिन॥उंरु॥नूग॥नमहि॥कथू॥खडा
॥उंमूंरुनीमूंरुहंरुहं॥हंनं॥उंगुकरुहंरुहं॥खडा॥उंगुकापयरुहंरुहं॥लिखनं॥
॥उंआनयहासगवताविद्यवाजहंरुहं॥जव

दि॥कया॥खाहूं॥वसधाव॥वाख गय॥वाहानीयां॥हूंहूं॥मिस्वानिपां॥रुह
रुहं॥सकरुनंथिय॥॥रुनंदयातथिय॥उंवं॥गहू॥हूंयां॥नूगल॥किंमं
॥खाव॥हूंकीं॥कया॥हूंहूं॥वसधा॥रुहंरुहं॥सकरुनं॥रुनंनंवाय॥
थनजाय॥वखनिन॥सूर्यागत॥॥धीसूर्यायत्रयंनम॥॥धीसूर्यायपालि
एयायनम॥धीसूर्यायपात्रायत्रयंनम॥

ॐ नमो भगवते ॥ अर्चयेत्सुमर्षकां ददः पूर्वमुदितदासने दूतदीप
 कविप्रनाथकः नमामि श्रीजो नारायण ॥ सुगतसुमत्रमम हो नारायण ॥ १ ॥ व
 तद्वक्तृनन साकसंस्क्रितः भाकुवाभितमानेसी ॥ तामिचत्रमसैतत्तु श्रीव
 र्द्धसुखरुतदायकै ॥ सुगत ॥ २ ॥ दक्षिणमुख्यश्रीनलसंरुवः विरुवसंघ
 ददायकैः दुविगसुवर्द्धकासदहा ॥ नमामि गुरुं वाहन ॥ सुगत ॥ ३ ॥ न
 वडिदिगत्रविकितमदहाः योगसुत्रनिधनितः मयूत्रवाहधामनसुत्रनि
 नमामि श्रीजमितारुव ॥ सुगत ॥ ४ ॥ सफरुसिमितिजानैवृत्तदहाः हनित

व सुविनाजितै ॥ उक्तसुखश्रीजमोघसिद्धिनमामि गत्रदवाहन ॥ सुगत ॥
 ॥ ५ ॥ कूदकूमुदंष्ट्रमनीनाः शिदमरुवतयुगियात्रिगारसिंहवाहन
 धामनसुत्रनिनमामि श्रीवशवन ॥ सुगत ॥ ६ ॥ गयनविंदूकूमात्रवदना
 वक्तृश्रीनयात्रसंशुगृथितकूसुमसाः नमामि श्रीधर्मधामक
 सुगतसुमत्रमम हो नारायण ॥ १ ॥ वृद्धगीतजोरुसमाफ ॥ ७ ॥ ० ॥ ॐ

ॐ नमो ब्रह्माय ॥ पंचवृद्धात्मकं धर्मात्मकं संघं किनालयं ॥
सर्वदेवालयं नित्यं तं वैश्यं पुण्यमायुहं ॥ १ ॥ लाकारुतं लोकि
कंच प्रह्लापायात्मकं जगतं ॥ त्वमवहिपत्रं धाम तं वैश्यं पुण्य
मायुहं ॥ २ ॥ मलिवृत्तं नित्रोत्रं मलं रुद्राकडलं ॥ यस्मै
वृजमहिंदत्वा तं वैश्यं पुण्यमायुहं ॥ ३ ॥ यं क्रमाप्य पूजयेत्वा

पूर्वाधिकसमृद्धिमान् ॥ सूच्यतां लाकवद्याह तं वैश्यं पुण्यमायु
हं ॥ ४ ॥ प्रसादिनं तु कृष्णपापदाको गच्छेत्तं पदं ॥ यस्मै दीनानां
संकल्पं संवेष्ट्यं पुण्यमायुहं ॥ ५ ॥ जीर्णं ह्यर्थाविकारं दा
त्रिदार्द्रवपानगं ॥ हीनदीनान् कंपय संवेष्ट्यं पुण्यमायुहं ॥ ६ ॥
परिवर्त्तनं कृत्वा पूज्यं गच्छेत्तं सफलं ॥ यस्मिन् श्रीनाह

वन्मूक संवेद्यं प्रथमाम्यहं ॥ ११ ॥ कुलालनकुमानन नखनञ्ज
लवक्रुषी ॥ पाफकी ॥ सुद्वनन संवेद्यं प्रथमाम्यहं ॥ १२ ॥ सद्य
नृदितावोद्वः प्रदक्षिणापरावतः ॥ निर्वृत्तावाधिमापन्न संवेद्यं प्र
थमाम्यहं ॥ १३ ॥ नागिन्यः सफर्गवृकाः स्मनन्तवपदक्षिणातः ॥ ककि
रूपात्मजाश्चासन् तंवेद्यं प्रथमाम्यहं ॥ १४ ॥ यश्च धवर्किनावृद्धा य

त्यरावात्यनपदं ॥ गतागच्छन्तियासन्ति तंवेद्यं प्रथमाम्यहं ॥ १५ ॥ ॐ
डायालोकपालास्त यरुकाविलसन्ति हि ॥ वक्रविष्णुमहेश्वर तं
वेद्यं प्रथमाम्यहं ॥ १६ ॥ वाद्यवक्रिनिधानश्च ॥ ३२ ॥ आवृत्तगुणवक्रि
कः ॥ व्यनचदमृतागीतं तंवेद्यं प्रथमाम्यहं ॥ १७ ॥ नृद्वर्गविस्मयी
या रुगीयन्तस्वाद्यकाः ॥ प्रदक्षिणापरावतस्तु संवेद्यं प्रथमाम्य

ॐ॥१४॥ॐ॥ निधीवेयद्वाद्गर्कवृद्धगीतं समाप्तं॥ ॥
उंनमा वृद्धाय॥ ओ॥ दे॥ उ॥ रुवजेन नी॥ श्री॥ पु॥ ह्युपात्रमिगात्रिनर॥ छि
द॥ ग॥ रुव॥ पु॥ नि॥ द॥ व॥ पा॥ द॥ रु॥ ग॥ न॥ मा॥ सु॥ ते॥ १॥ ह॥ त्रि॥ ह॥ न॥ व॥ मा॥ न॥ ड॥
ना॥ ग॥ ग॥ क॥ स॥ रा॥ स॥ न॥ व॥ रु॥ वि॥ धि॥ उ॥ प॥ हा॥ न॥ पु॥ ष्ठा॥ मा॥ न॥ स॥ सा॥ ह॥ न॥ ॥ २॥
पु॥ त्र॥ मा॥ नि॥ म॥ हा॥ वृ॥ ह॥ पु॥ ग॥ रा॥ य॥ पु॥ का॥ मि॥ तं॥ र॥ ध॥ न्य॥ वृ॥ कि॥ वि॥ वृ॥ ह॥ ह॥
ह्य॥ ह्य॥ ग॥ व॥ धु॥ न॥ मा॥ सु॥ ते॥ ३॥ न॥ य॥ न॥ व॥ स॥ स॥ हा॥ ग॥ व॥ रु॥ व॥ ह्य॥ ग॥ व॥ धु॥
प॥ वा॥ लि॥ तं॥ र॥ हा॥ ति॥ आ॥ त्र॥ वृ॥ न॥ द॥ व॥ पा॥ ता॥ कि॥ नि॥ न॥ मा॥ सु॥ ते॥ ४॥ न॥ व॥

वे॥ य॥ ना॥ ना॥ व॥ धु॥ रु॥ कि॥ ति॥ पु॥ वा॥ लि॥ तं॥ र॥ य॥ म॥ गि॥ त्रि॥ उ॥ रु॥ व॥ गी॥ स॥ य॥ ह॥
वृ॥ ह॥ न॥ मा॥ सु॥ ते॥ ५॥ ति॥ न॥ न॥ न॥ ध॥ म॥ ध॥ रु॥ वा॥ गी॥ य॥ न॥ य॥ स॥ मि॥ तं॥ र॥ य॥
क॥ व॥ रु॥ य॥ क॥ म॥ हा॥ य॥ क॥ व॥ ह॥ न॥ मा॥ सु॥ ते॥ ६॥ ह॥ त्रि॥ द॥ ति॥ वा॥ मि॥ नि॥ य॥
व॥ र्म॥ ना॥ दि॥ मा॥ वृ॥ रं॥ ग॥ ते॥ नी॥ स॥ ह॥ म॥ न॥ क॥ म॥ स॥ य॥ क॥ न॥ मा॥ सु॥ ते॥ ७॥
आ॥ च॥ ना॥ दि॥ व॥ रु॥ न॥ दे॥ वि॥ ता॥ ना॥ ग॥ म॥ सु॥ मा॥ ति॥ तं॥ र॥ म॥ गी॥ वा॥ धि॥ स॥ त॥ आ॥
दि॥ स॥ य॥ द॥ व॥ न॥ मा॥ सु॥ ते॥ ८॥ श्री॥ यि॥ य॥ गी॥ क॥ वृ॥ कृ॥ न॥ क॥ न॥ क॥ म॥
नि॥ मि॥ धि॥ जि॥ न॥ र॥ वि॥ श्व॥ रु॥ व॥ का॥ हा॥ य॥ गी॥ म॥ क॥ मि॥ ह॥ न॥ मा॥ सु॥ ते॥ ९॥

कासिसर्प कृपि ननः नपात्ररुद्र नास्तु नैर धर्म मानमं इथीन
कृदिन रुमि स्थायी ता॥१०॥ धावि नान गीव न धवागिर्गं सुगतं न
नैर धर्म पात्र म हा नाय ड सिर्ग ए दं पं क र्ग ॥११॥ किमि ननः रु
जम् धासि इ इष को नं नर वृद्धं धर्म म हा सु लं स व दू ४ विनो स
न ॥१२॥ स व दू ४ विनो स व सु किं पू न कि रु ना ह न र स र्द्ध वं थ गुरु
कासिः स वं लो मि सै पाय दं ॥१३॥ म जू जानि वि न जा मि स र्ध दू ख क
कृ मि गः त्वं रु ग न रु स पा यः स व काय सि धि यं दं ॥१४॥ त्व स नू ४ रु

यकासि नाग इष विनाम नं र रु न रु न सु म त ल्य शु रु कि लि सं पा य
दं ॥१५॥ ध म् रु मि नि मि गू हा वृद्ध धा न म ना ह न र ह म व रु धा
न मू डा ना ग म श न न मा मु न ॥१६॥ जि न रु न म हा स्य स दा वि ड इ
रु वि ना म नं र सु म न थ ह न पा य मि ना म न ना स न ॥१७॥ ग न्ध ध
प य ष्य दि य पू रु ना या पु मा दि र्ग र रु रु ध रु य ना क नि नाः ना ह ना
य न मा मु न ॥१८॥ अ रु दि ग अ रु र्ध व अ रु र्ध वा धि यु द कि ना र म न
मं रु न मं लि र्ग गी व रु स त्व न मा मु न ॥१९॥ म हा म नि शु ग न

न वाचि तं सु कृत्वा रुत्रि न शु न स त्र जा ह्य भा के सार्ग संपादः
 ॥ २० ॥ गुत्र द ग उ य का नि ध र्म कि कि न पा नि कं र च त्र धा पि न
 पा प र्थ वि ग म हा दे व भा ऊ प द ॥ २१ ॥ ध र्म य न स र्व भू न द ह पि
 का प न्या दि कं र आ र्यं ता ना वृ ह स त न स फ सा ग र मू कि द ॥ २२ ॥
 जा ग मि त्र च त्र गु फ पा य पृ थ ध र्मा दि कं र पू ल मार्ग च त्र रु के स
 र्व दू रं वि द्यो त के ॥ २३ ॥ सु त हा ति मा या जा त ध र्म वा क्य स गानि कं र
 ह ज न ग न पू ल वा उ कि प द पा प द ॥ २४ ॥ ॐ ॥ ० ॥

ॐ न मा वृ ह्ना या ॥ श्री ध र्म धा तु च त्र जि न व न वी दि ता य द र्श न
 सा सि हा द स पू र्ण सा मि त्र हा सि ता य त्रि म लु त्रं ॥ १ ॥ न मा ऊ र च
 रु जि न व न ध र्म तार्य म हा मु नि र ज न ज न य द ऊ ना न पा प ना
 सि वि र्वं शु नं ॥ २ ॥ वं लु र्म द न म धा स सि त्र च रु धा त्रि म हा मु नि र
 सिं ह मा त्र ध ला य मु नि व न र्था त व र्क म हा ऊ त ॥ ३ ॥ पा य दि
 ग थि ॥ ४ ॥ नि त्र स म दं नि मा त्र ध ना अ त्र र ख स म स म स र्व धा
 न धा त्रि त वृ ध ना ध म हा मु नि ॥ ४ ॥ आ म्या दि गं धि त र्म स र्व व दानि

ग

दुःसाकसीपानिगा २ गुने गमातूर कौ कु ना दे व न द ह रु स स्वहिता ॥ १ ॥
 पक्षिमदिर्गधि त नाय म निव सः अमित्य रुचि न थापि ताः मयूत्र मा स
 न था न धा नि ग य म नाग म नि प र ॥ १ ॥ उ रु ना दे ग लि तः अ मी घा वि ति
 व सः स्या म व रु सु नि मी तार ग त्र उ मा स न अ रु य क न व नः सर्व स न उ धा
 स ने ॥ १ ॥ श्री व ज स त्व १ म्य नु सै लि ग व रु घै लु सु धा नि ता र वि श्वः
 वा पि तः ज ग्ग ना थः मा न स्य ग्व न वे दि र्ग ॥ २ ॥ जा मि र्च य क मा ल कि व सः
 मा ल नि गु रु कं ग कि र पा लि गा त रु मू द ध व न ना ग के ग्व न सै रु क ॥ ३ ॥
 ना रि गि ल य क पू ल कू कू म र्च द न्य न वि स यि ता ॥ वि वि धी पू ष्य क म स

उप ल वि घ्न य सै रु क ऊ पि ता ॥ १० ॥ वि ना य स मू दं ग म नू ज स र्व वा ध
 मू मे ग सार त र्ग र्च ता र्ग सा त मा ला उप सि ष्ठ द ऊ न ॥ ११ ॥ अ दि
 सा क या नः स ध या म म ना न मा र द्वा दि वे दि तः द व पू ष्यः सा ह ना दि ग
 मा सि का ॥ १२ ॥ वृ न ल्य पि त गु रु कि न नः पू र्ण चं ड गु नि मी तार द व
 दा न डी ग रु कि न न ना ग सा क स पू गि त ॥ १३ ॥ का य वा क वि त नि
 र्म ला वि व र्ध ग म स य द ऊ न र ल्य न रु य ता क वा म स व ऊ ध रु रु
 स्व हि ता ॥ १४ ॥ ग यो द स रु मी रु रु आ व निः स्व हि ता स म ना रु क

१५

हृदि हस्तव श्रापुन नुल दव समल स पडि ता ॥ १५ ॥ शुन्या कि मुः
न्यमहा शुन्य सर्व स न्य नित्रं जनं र नि ता न वे नि ता का न वा वा वृ द्वि
स ना मयं ॥ १६ ॥ शुन्य र धर्म धा शु जी गित् य पु का सि ता र द वा
कि दव महा दव सर्व द व पति पू डि ता ॥ १७ ॥ गी न वेषु म हा न ल क
प च्छ न न न ग ल स र पूर्व जर्म वृ ग र्य न स्य वृ का ल म पा पि ता ॥ १८ ॥ अ
रु त्रि धि सर्व सि डिः रु व रु रु ग मू कि पें दे र च न ग र्म स हा स गी स
स्य रु की ल पु डी कि नं ॥ १९ ॥ स फ स्य वृ क जर्म र्वा दि त ना ग क न्या स न स्य

गार्कि की नाम महा नाय तस्य जल न पावन २० ॥ नाम नाव सम हा नि
ग त्व र्द्ध स न न स ग म्य र च त म च नं का न व वि त सि डि ला य स मू कि र्दः
॥ २१ ॥ दा ति डु नि न यः स त्व म अ उ ध त त्व म हा म नि र जू हा ना य
पु द डि ना न शु र्वा व गि म सा पू या त् ॥ २२ ॥ इ ति च त्व व श्च ना ग स
सा फ ॥ ० ॥ न भा व द्वा या ॥ ॥ य ४ की धं की ग श ति स्था मी च यि त्वा व
दि स्तु गे ॥ च का न नृ प ना ज स न ४ पा शु म्ती श्व न ४ ॥ १ ॥ य ४ ५

छिनेद्वानंदशमं नानन कंदिनत॥ चिकानेद्वाननननननन॥
पाणुसूचीवनी॥२॥ शादगंनं सुचंदोखीधनामकनीकुधन॥
मृषागुप्तदुर्गनं सुच॥ सन४ पाणुविविनायक४॥३॥ य४ सा॥
हिगुंका लाहिदष्टं संघार्थदान॥६॥ नुकीलमवृषसुचस्य
चक्रसंज्ञावगु॥४॥ य४ प्रसादं साकममहापानककृदिने॥
भूनक्यदज्ञाननि॥ रूपाभावनुमेगम४॥ ५॥ य४ कृष्णदीवदि

कपुः यथाकाठनगवृ४॥ महायमसमापनं यथाभावनवगुव
लिद४॥ १॥ यद्व्याकाशिकायापासावस्यमृचन॥ सना
विमकिहलदावाधिना४ सदावगु॥ १॥ यावृष्टिविनिज्ञां
मक्रिषानाविपिनददी॥ दृष्टिभक्तिकृष्टिंदत्वाभावनगुभक्त
ना४॥ ६॥ यनचनेवसावनयनकनापिताविग४॥ ननेकनेव
सावेनयस्यनस्यासिसंगन४॥ ९॥ ॥ गुंमिगीघनसंननापु
कंसमाफ॥ ॥ ॥

II-164

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

(योगसूत्रधनमंग।यूनपागसूत्रांलवय॥गोकपय॥रुकांलरुनगवनं॥दधूपर्वकांयय॥

क्रोपांभासिय॥ ॥गुननमस्का॥ ॥विरुगिदूनासगयाक्राय॥मंग॥
ॐ॥गीवक्रद्वंक॥रु॥दाकिनीजालंसर्वस्वाहा॥ ॥विरुगिसर्वक॥
य॥ॐ॥कालदधूसगयामंगत्राय॥विरुगिनाहागिनभाकपयम॥॥गीवक्र॥
त्यादि॥॥दयागक्राय॥कपात्रसयिलम॥ॐ॥वयंरु॥वसपात्रसगय
म॥॥गीवक्र॥त्यादि॥॥क्रययमसगय॥दाकिनीजालंसर्वस्वाहा॥सकरंनं॥

१ नडाताड

१ पूतानद

१ गधवु

१ त्रिभनसि

१ समिष्ठितुमा

१ सनयडाति

१ पूतायाआ

१ चिर्नदरु

१ चिर्नदरुमि

१ गयनिधकु

१ दवेताड

१ तानिभूमि

१ विगिगानि

१ रधकु

१ रनयकु

१ कुरमिभूमि

१ ननयकुमदि

१ पौषा

१ रञ्जिमा

१ मङ्गमि

१ पुतावति

१ तातामति

१ ००० दनकिमि

१ तातामति

१ यिंदुमनि

१ दनस्व

१ वितामि

१ मयतामि

१

१

१

१

१

१

[The following section contains several lines of handwritten text in Devanagari script.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 कृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मा
 शिष्यश्चेकितानां त्वत्पुत्रस्तुतम्भरात् ॥

1502.12.52

[illegible]

एगवनही अमृक सवविद्या-मार्ग नम
मुगवज भूय स्वाहा

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कृष्णार्पणं कृतम् ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कृष्णार्पणं कृतम् ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

[illegible]

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ३ ॥
सर्वपापहर्त्रा ॥ ४ ॥
सर्वकलहहर्त्रा ॥ ५ ॥
सर्वमोक्षदायि ॥ ६ ॥
सर्वसुखदायि ॥ ७ ॥
सर्वसौख्यदायि ॥ ८ ॥
सर्वसमृद्धिदायि ॥ ९ ॥
सर्वसिद्धिदायि ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ १२ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा ॥ १३ ॥
सर्वपापहर्त्रा ॥ १४ ॥
सर्वकलहहर्त्रा ॥ १५ ॥
सर्वमोक्षदायि ॥ १६ ॥
सर्वसुखदायि ॥ १७ ॥
सर्वसौख्यदायि ॥ १८ ॥
सर्वसमृद्धिदायि ॥ १९ ॥
सर्वसिद्धिदायि ॥ २० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥